REVIEW OF RESEARCH
ISSN: 2249-894X
IMPACT FACTOR : 5.7631(UIF)
VOLUME - 13 | ISSUE - 6 | MARCH - 2024

'' छात्रावास की आवासीय एवं शैक्षणिक सुविधाओं का अनुसूचित जाति एवं जनजाति की माध्यमिक स्तर की छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन''

निशी पाण्डेय एवं डॉ. पी.एन. मिश्रा

सारांश :–

प्रदेश के आदिम जाति की जनसंख्या 9155 लाख है, जो कुल जनसंख्या का 151770 है। आदिम जाति के लोग समाज की मुख्य धारा में सम्मिलित होकर सामाज के अन्य वर्गों के समकक्ष खड़े हो सके तथा सामाजिक समानता का निर्माण हो, इस उद्देश्य का ध्यान में रखकर राज्य शासन द्वारा आदिम जातियों के सामाजिक आर्थिक एवं शैक्षणिक विकास हेतु विभिन्न योजनाओं का संचालन किया जा रहा है।

आदिम जाति कन्या साक्षरता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कक्षा पहली से छात्रवृत्ति, प्रोत्साहन राशि, निःशुल्क साइकिल प्रदाय, निःशुल्क गणवेश, पुस्तकें एवं कन्या आश्रम एवं छात्रावास आदि योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। शासन द्वारा प्रदान की जा रही छात्रावास एवं छात्रवृत्ति योजनाओं का सकारात्मक प्रभाव उनके उत्तम चरित्र निर्माण पर पड़ता है।

शोधार्थी द्वारा इस शोध विषय का चयन किया गया ताकि ज्ञात किया जा सकें कि छात्रावास छात्राओं को शासन द्वारा प्रदान की जा रही सुविधाओं का किस स्तर तक पालन किया जा रहा है एवं शासन द्वारा संचालित इस योजना का क्या लाभ हुआ है?

मुख्य शब्द :–छात्रावास शैक्षणिक उपलब्धि, माध्यमिक स्तर की बालिकाओं कन्या साक्षरता।

प्रस्तावना :–

भारत में प्रत्यक्ष सामाजिक और आर्थिक उत्थान के साधन के रूप में शिक्षा की उपेक्षा नहीं की जा सकती। किसी भी संगठित सेवा क्षेत्र के लिये प्रत्येक कर्मचारी से कुछ आधारभूत न्यूनतम औपचारिक स्कूली शिक्षा का ज्ञान होना चाहिए। भारतीय समाज की संरचना इस प्रकार है कि अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जनजाति सदैव ही अशिक्षा, निर्धभता, अंध विश्वास और अज्ञानता के कारण शोषण दमन का शिकार हुई है। चूंकि इन वर्गों की जनसंख्या भारत की कुल जनसंख्या का लगभग 25 प्रतिशत है, इसलिए संविधान निर्माताओं द्वारा विशेष रूप से इन समुदायों के विकास पर विचार किया गया और अनुच्छेद 46, 15(4), 29(2) और 350(क) में विशेष उपलब्ध बनाए गए और सुनिश्चित किया गया कि उन्हें शैक्षिक संस्थाओं में प्रदेश के पूरे अवसर प्राप्त होते है तथा उन्हें औपचारिक रूप से शिक्षित किया जाए।

मध्यप्रदेश सरकार द्वारा अनुसूचित जाति/जनजाति के छात्र–छात्राओं को शिक्षण के साथ निःशुल्क आवास, भोजन, स्वच्छ पेयजल, विद्युत आदि सुविधा देने के उद्देश्य से 1546 छात्रावास, 1083 आश्रम शालाए तथा 139 अन्य विशिष्ट आवासीय संस्थाओं का संचालन किया जा रहा है।

शोधार्थी द्वारा इस शोध विषय का चयन इसलिए किया गया है ताकि यह ज्ञात किया जा सके कि विभाग द्वारा संचालित आवासीय विद्यालयों को शासन द्वारा प्रदान की जा रही सुविधाओं का किस स्तर तक पालन किया जा रहा एवं शासन की इन योजनाओं का शैक्षिक उपलब्धि में क्या प्रभाव पड़ा है।

पूर्ववर्ती शोध अध्ययनों का विवरण :–

किसी भी शोध कार्य को सोदेश्य तथा अधिक प्रभावी बनाने के दृष्टिकोण से यह आवश्यक हो जाता है कि शोधार्थी अपनी शोध समस्या के समरूप पूर्व में किए गए अन्य शोध कार्यों के बारे में संक्षिप्त जानकारी प्राप्त कर ले। इसी दृष्टिकोण से शोधार्थी ने अनुसूचित जाति, जनजाति की आश्रम/छात्रावास सुविधाओं एवं शैक्षिक उपलब्धियों पर प्रभाव के अध्ययन से संबंधित पूर्व शोध अध्ययनों के विषय वस्तु की जानकारी प्राप्त करने का प्रयास किया है। संक्षेप में उनका विवरण निम्न है – कपिल, एच.के. (1996)[1], कुमार प्रमिला (1992)[2], कौल लोकेश (1998), प्रसाद गोमती (2004)[3], तिवारी डॉ. रंजना (2016)[4] निगम श्रीमती अमलेन्दु किरन (2016)[5]

अध्ययन की आवश्यकता :–

अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण विभाग द्वारा संचालित छात्रावासी छात्राओं हेतु योजनाओं का लाभ उन्हें प्राप्त हो रहा है एवं उनके शैक्षिक उपलब्धि पर इसका प्रभाव पड़ रहा है, इसका अध्ययन करना आवश्यक है। स्वस्थ्य एवं क्रियाशील रहने के लिये उन्हें रहन–सहन की व्यवस्था एवं पौष्टिक आहार एवं स्वच्छ वातावरण की भी आवश्यकता है ताकि छात्रावास में उसका उहराव हो एवं उत्तम चरित्र का निर्माण हो सके।

अध्ययन का उद्देश्य :–

- आदिम जाति की छात्राओं को अध्ययन हेतु छात्रावास की आवासीय सुविधाओं का अध्ययन।
- छात्रावास में अनुसूचित जाति/जनजाति की छात्राओं को दी जा शैक्षिक सुविधाओं का अध्ययन।
- अनुसूचित जाति एवं जनजाति विभाग द्वारा संचालित छात्रावास में शैक्षिक एवं छात्रावासी सुविधाओं का शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन।

परिसीमाएं :–

- शोध का क्षेत्र रीवा नगर की राजस्व सीमा तक परिसीमित किया जाएगा। परिसीमित क्षेत्र में आठ आदिम जाति/जनजाति कन्या छात्रावासों को अध्ययन में सम्मिलित किया गया है।
- विषयवस्तु के परिसीमन में अनुसूचित जाति/जनजाति छात्रावास (कन्या छात्रा) में उपलब्ध सुविधाओं एवं उनकी शैक्षिक उपलब्धि तक परिसीमित किया गया है।

न्यादर्श (Sample) :–

शोधार्थी ने न्यादर्श में रीवा नगर में संचालित 8 आदिम जाति/जनजाति कन्या छात्रावास को शामिल करती है। तथा इन छात्रावासों के 10 अधीक्षक, 100 छात्राएं, 20 अभिभावक, 10 शिक्षक एवं संस्था प्रमुख को चयनित किया गया है।

उपकरण :–

शोध कार्य लिए तत्वों को एकत्र करने के लिए विभिन्न शोध उपकरणों की आवश्यकता होती है। परिशुद्ध वस्तुपरक एवं विश्वसनीय आंकड़ों के संकलन के लिए साक्षात्कार प्रपत्र, अवलोकन प्रपत्र, प्रश्नावली पत्रक, परीक्षा पत्रक का प्रयोग किया गया है।

विधि एवं योजना :–

शोधार्थी का कार्य क्षेत्र व्यापक है एवं समय का अभाव है, इसलिए संपूर्ण क्षेत्र में न्यादर्श सर्वेक्षण विधि का उपयोग करके शोध कार्य को पूरा करने का प्रयास किया है।

शोध क्षेत्र का परिचय :–

रीवा जिले का क्षेत्रफल 6240 वर्ग किलोमीटर है और 2011 की जनसंख्या के अनुसार रीवा की जनसंख्या 2363744 लाख और घनत्व 3801 वर्ग किमी व्यक्ति है। रीवा जिला भारत के सबसे एकदम मध्य में स्थित मध्यप्रदेश राज्य में है। रीवा मध्यप्रदेश की भौगोलिक सीमा के अंदर उत्तर पूर्वी भाग में है, फिर भी इसकी सीमाएं उत्तर प्रदेश से मिलती है, उत्तर पश्चिम से लेकर पूर्व तक रीवा $24^{0}53$श उत्तर $81^{0}3$श पूर्व के बीच स्थित है। रीवा की समुद्रतल से ऊंचाई 304 मीटर है। रीवा भोपाल से 489 किलोमीटर उत्तर पूर्व की तरफ प्रादेशिक राजमार्ग 14 और राष्ट्रीय राजमार्ग 30 पर है और भारत की राजधानी दिल्ली से 804 किलोमीटर दक्षिण पूर्व की तरफ राष्ट्रीय राजमार्ग 19 पर है।

परिकल्पानाएं :–

''आश्रम/छात्रावास की आवासीय एवं शैक्षणिक सुविधाओं का अनुसूचित जाति एवं जनजातिय छात्राओं की शैक्षणिक उपलब्धि पर सकारात्मक प्रभाव हुआ है।''

सांख्यकीय विश्लेषण :–

शोधार्थी ने शोध पत्र में आदिवासी जाति एवं जनजाति छात्रावासी बालिकाओं की सुविधाओं, शासन की योजनाओं की वास्तविक स्थिति के अध्ययन हेतु शोध उपकरणों की सहायता से आंकड़ों को एकत्र कर उनका सारणीयन कर विश्लेषण एवं व्याख्या द्वारा वस्तु स्थिति की जानकारी प्रस्तुत की है।

तालिका क्रमांक – 01 :–''छात्रावास की आवासीय एवं शैक्षणिक सुविधाओं का अनुसूचित जाति एवं जनजाति छात्राओं की शैक्षणिक उपलब्धि पर सकारात्मक प्रभाव हुआ है, का अध्ययन। ''

क्र.	जानकारी संकलन के स्रोत	न्यादर्श संख्या	छात्रावासी/आश्रम की आवासीय एवं शैक्षणिक सुविधाओं का अनुसूचित जाति/जनजाति छात्राओं की शैक्षणिक उपलब्धि पर सकारात्मक प्रभाव है।			
			सहमत		असहमत	
			संख्या	:	संख्या	:
1	छात्रायें	100	90	90	10	10
2	अभिभावक	20	18	80	02	20
3	शिक्षक	10	10	100	—	—
4	संस्था प्रमुख	10	10	100	—	—
5	अधीक्षक	10	09	90	01	10
6	औसत	—	—	92	—	08

विश्लेषण एवं व्याख्या :–

तालिका से स्पष्ट है कि 90 प्रतिशत छात्राएं, 80 प्रतिशत अभिभावक, 100 प्रतिशत शिक्षक, 100 प्रतिशत संस्था प्रमुख तथा 90 प्रतिशत छात्रावास अधीक्षक इस बात से सहमत है कि छात्रावास की सुविधाओं का छात्राओं की शैक्षणिक उपलब्धि पर सकारात्मक प्रभाव हो रहा है। एवं 10 प्रतिशत छात्राएं, 20 प्रतिशत अभिभावक एवं 10 प्रतिशत अधीक्षकों ने अपनी असहमति व्यक्त की है।

अतः उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि औसतन 92 प्रतिशत इस पक्ष में है कि छात्रावास की सुविधाओं का सकारात्मक प्रभाव छात्राओं की शैक्षणिक उपलब्धि पर पड़ता है। जबकि 08 प्रतिशत सुविधाओं से असंतुष्ट के कारण सहमत नहीं है।

छात्रावास की आवासीय एवं शैक्षणिक सुविधाओं का अनुसूचित जाति एवं जनजाति छात्राओं की शैक्षणिक उपलब्धि पर सकारात्मक प्रभाव हुआ है, का अध्ययन।

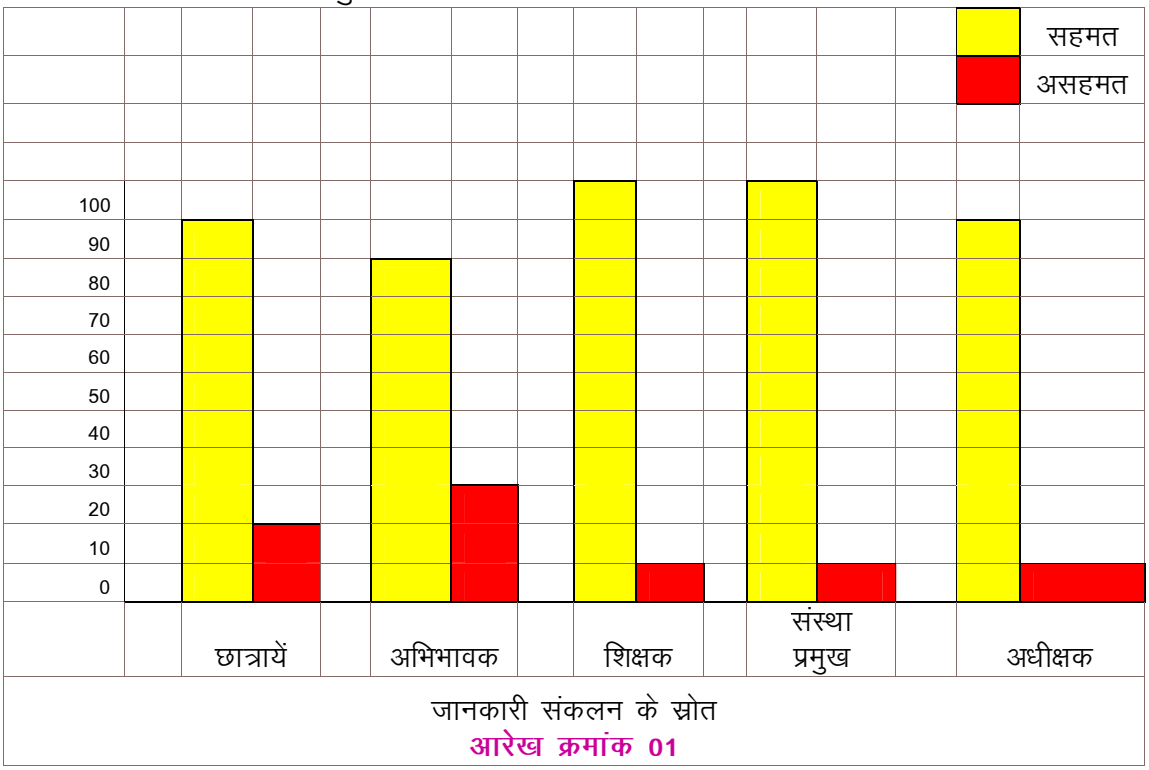

जानकारी संकलन के स्रोत

आरेख क्रमांक 01

निष्कर्ष :–

उक्त परिकल्पना तालिका क्रमांक 01 के विश्लेषण से यह ज्ञात हुआ कि औसतन 92 प्रतिशत छात्र, अभिभावक प्राचार्य/शिक्षक, अधीक्षकों की राय में शैक्षणिक उपलब्धि पर सकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। वहीं 08 प्रतिशत इन सभी सुविधाओं में और सुधार की अपेक्षा व्यक्त की है।

अतः यह परिकल्पना सत्यापित होती है।

शोध निष्कर्ष :–

छात्रावास की आवासीय एवं शैक्षणिक सुविधाओं का अनुसूचित जाति/जनजाति की छात्राओं के शिक्षा स्तर में प्रभाव सकारात्मक है एवं निरंतर सुधार हो रहा है।

संदर्भ :–

- कपिल ए.के.के सांख्यिकी के मूल तत्व विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा 1992
- कुमार, प्रकिला म.प्र. भौगोलिक सर्वेक्षण म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल 1992
- कौल, लौकेश शैक्षिक अनुसंधान की कार्य प्रणाली, विकास पब्लिसिंग हाऊस प्रा.लि. नई दिल्ली 1998
- प्रसाद, गोमती ''रीवा संभाग की अनुसूचित जाति एवं जनजाति के बालक, बालिकाओं की शैक्षिक स्थिति का समीक्षात्मक अध्ययन'' 2004
- तिवारी डॉ. रंजन ''रीवा जिले के गंगेव विकासखंड में हाई स्कूल के अध्ययनरत अनुसूचित जाति के बालिकाओं में संचार संसाधनों के प्रचार–प्रसार द्वारा शिक्षा के प्रति चेतना जागृत का विश्लेषणात्मक अध्ययन।